दिनांक–12 अक्टूबर 2025 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए बयालीस हजार करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास। प्रदेश के बारह जिलों को मिलेगा प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना का लाभ।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भदोही में उन्चासवें अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला और चौथे कार्पेट एक्सपो का किया शुभारंभ। कहा– कालीन उद्यमियों और निर्यातकों के साथ खड़ी है सरकार।
- उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की पीसीएस प्रारम्भिक परीक्षा आज। एक हजार चार सौ पैंतीस केन्द्रों पर सवा छः लाख से ज्यादा अभ्यर्थी देंगे परीक्षा।
- अयोध्या में नौवें दीपोत्सव में नया विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी। भव्य और ऐतिहासिक आयोजन की तैयारी को दिया जा रहा अन्तिम रूप।

****

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन जैसी योजनाएँ देश के लाखों किसानों का भाग्य बदल देंगी। श्री मोदी ने कहा कि इन योजनाओं से आत्मनिर्भरता, ग्रामीण सशक्तिकरण और कृषि नवाचार के नए अध्याय की शुरुआत होगी।

इन योजनाओं पर भारत सरकार करीब 35 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करने वाली है। साथियों खेती और किसानी हमेशा से हमारी विकास यात्रा का एक प्रमुख हिस्सा रही है। बहुत जरूरी होता है कि बदलते समय के साथ खेती किसानी को सरकार का सहयोग मिलता रहे।

प्रधानमंत्री ने कल नई दिल्ली में कृषि और इससे जुडे क्षेत्रों में 42 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। पैंतीस हजार करोड़ रूपये से अधिक की लागत वाली कृषि क्षेत्र की दो प्रमुख पहल पीमए धन–धान्य कृषि योजना और दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भरता के लिए देश की कृषि प्रणाली में तेजी से विकास और सुधारों को आवश्यक बताया।

दलहन आतनिर्भरता मिशन सिर्फ दाल उत्पादन बढ़ाने का मिशन नहीं है बल्कि हमारी भावी पीढ़ी को सशक्त बनाने का भी अभियान है। बीते सालों में भारत के किसानों ने रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पन्न किया है,

इस कार्यक्रम से लखनऊ सहित प्रदेश के कई जिलों के किसान वर्चुअली जुड़े। लखनऊ में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी उपस्थित रहे। श्री शाही ने बताया कि प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना से प्रदेश के 12 जिले लाभान्वित होंगे।

प्रधानमंत्री धन–धान्य योजना और प्रधानमंत्री दलहन आत्मनिर्भर मिशन के माध्यम से देश के लगभग किसानों को 45,000 करोड़ रुपये का फायदा होगा। प्रधानमंत्री धन–धान्य योजना के भीतर उन्होंने सौ जनपदों के भीतर उस जिले को चिन्हित किया है जिसमें से उत्तर प्रदेश के 12 जनपद हैं।

वाराणसी के सब्जी अनुसंधान संस्थान में आयोजित हुए कार्यक्रम में प्रदेश के मंत्री दया शंकर मिश्र दयालु मौजूद रहे। उन्नाव और अमरोहा में भी कार्यक्रम का प्रसारण किया गया। प्रगतिशील महिला किसान हितेष चौधरी ने योजनाओं की शुरुआत के लिए सरकार का आभार जताया है।

ये किसान भाईयों के लिए बहुत ही अच्छी पहल है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की मैं उनको बहुत–बहुत धन्यवाद करती हूं।

कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने कृषि, पशुपालन, मत्स्यपालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में पाँच हजार चार सौ 50 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इनमें चंदौली में 61 दशमलव आठ सात करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित अल्ट्रा मॉडल फिश मंडी का उद्घाटन भी शामिल है।

प्रदेश के मत्स्य मंत्री संजय निषाद ने मंडी का लोकार्पण किए जाने पर प्रधानमंत्री को बधाई दी।

मत्स्य क्षेत्र में काम करने वालों के लिए, किसानों के लिए मंडी स्थापित किया है, जो हाईटेक मंडी है। माननीय प्रधानमंत्री जी को बधाई देता हूँ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से कृषि संबंधी योजनाओं के शुभारंभ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल भदोही में 49वें अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला और चौथे कार्पेट एक्सपो का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने देश–विदेश से आए कालीन उद्यमियों और निर्यातकों के साथ संवाद करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि प्रदेश सरकार हर स्थिति में उनके साथ खड़ी है। उन्होंने बताया कि सरकार ने कार्पेट उद्योग को बढ़ावा देने के लिए हाई लेवल कमेटी का गठन किया

है जो टैरिफ से उत्पन्न स्थिति पर लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार भदोही सहित पूरे प्रदेश में कार्पेट उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कई सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।

हम लोगों ने प्रदेश के अंदर वन डिस्टिक वन प्रोडक्ट की अपनी अभिनव योजना प्रारम्भ की थी सन 2018 में, जिसमें भदोही में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट में हमने कारपेट को ही उसका पार्ट बनाया है, इसके साथ ही प्रदेश के अलग–अलग जनपदों में भी इस पूरे सेक्टर में जो भी लोग कार्य कर रहे हैं उनके प्रोत्साहन करने के लिए और सभीयूनिट को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार के द्वारा तमाम प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई है ।

****

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग आज पीसीएस और एसीएफ तथा आरएफओ प्रारम्भिक परीक्षा दो हजार पचीस का आयोजन करने जा रहा है। अब से कुछ देर बाद शुरू होने वाली इस परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। सभी केंद्रों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इस दौरान सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी। आयोग की तरफ से अभ्यर्थियों के लिए दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। आयोग द्वारा सोशल मीडिया की निगरानी के लिए नोडल अधिकारी और सहायक पर्यवेक्षक की तैनाती की गई है। प्रदेश भर में इसके लिये एक हजार चार सौ पैंतीस केन्द्र बनाये गये हैं। इस परीक्षा के लिये करीब सवा छः लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल गाजीपुर स्थित श्री हथियाराम मठ परिसर में आयोजित 'राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक समरसता विषयक प्रबुद्धजन संवाद संगम' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आध्यात्मिक चेतना और विकास के मेल से ही भारत विश्व गुरु बन सकता है।

दुनिया के अंदर भारत की पहचान अपनी आध्यात्मिक चेतना को ले करके है जब तक भारत का नागरिक अपनी आध्यात्मिक चेतना को ध्यान में रख करके कार्य करेगा और फिर उसके उपरान्त भौतिक विकास के कार्यक्रमों का आगे बढ़ाएगा उसके परिणाम उतनी ही मजबूती के साथ भारत को पुनः विश्वगुरू के रूप में स्थापित करने में मददगार होगा।

****

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित और पिछले महीने की 22 तारीख से शुरू जीएसटी बचत उत्सव का लाभ पूरे देश को मिल रहा है। एक रिपोर्ट हमारे संवाददाता की–

अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों ने इस्पात, लोहा और इंजीनियरिंग उद्योगों को बढ़ावा दिया है। लोहे पर कर की दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है, जिससे विभिन्न उत्पाद श्रेणियों के लागत में लगभग 6 दशमलव 25 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं, तेंदू के पत्तों पर जीएसटी की दर 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत और बांस पर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है, जिससे लागत में 6 दशमलव 25 प्रतिशत से 11 दशमलव 01 प्रतिशत की कमी आई है। इशानी यादव के साथ नीतिका गुप्ता, आकाशवाणी समाचार, नई दिल्ली।

****

रामनगरी अयोध्या में इस बार नौवें दीपोत्सव 2025 को अब तक का सबसे भव्य और ऐतिहासिक आयोजन बनाने के लिए तैयारियों को अंतिम रुप दिया जा रहा है। इस बार नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने की तैयारी है। एक रिपोर्ट–

लक्ष्मण किला घाट पर पहली बार सवा चार लाख दीप प्रज्वलित होंगे। राम की पैड़ी और चौधरी चरण सिंह घाट पर करीब साढ़े चार लाख दीप जलाए जाएंगे। मुख्य आकर्षण राम की पैड़ी रहेगी, जहां 15 से 16 लाख दीपों की अविरल ज्योति से पूरा घाट जगमगा उठेगा। सरकार ने लगभग 350 मीटर लंबी सीढ़ियों और दर्शक दीर्घा का निर्माण कराया है। तनमय सोनी आकाशवाणी समाचार अयोध्या।

****